an>

Title: Regarding the depleting ground-water level in Saharanpur district of Uttar Pradesh.

श्री राघव लखनपाल (सहारनपुर) : अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान एक अत्यंत ज्वलंत विषय की ओर आकृष्ट करना चाहता हूं। भारत के अनेक हिस्से गिरते भूगर्भ जल की समस्या से जूझ रहे हैं। इसके चलते मेरे जनपद सहारनपुर में भी यह समस्या एक विकराल रूप ले चुकी है। हमारे जिले के सभी 11 विकास खण्डों डार्क जोन घोषित हो चुके हैं। डार्क जोन अर्थात वह क्षेत्र जहां के जल स्तर का पूर्ण रूप से दोहन हो चुका हो। इसका परिणाम यह है कि पीने के पानी के लिए जो हैण्डपम्प लगाए गए हैं, वे सूखते जा रहे हैं। साथ ही सिंचाई की समस्या भी एक बड़ा रूप ले चुकी है। हमारे यहां सभी नहरें सूख गयी हैं, आगे सरकारी नलकूप के कनेक्शन नहीं दिए जा रहे हैं और निजी नलकूप के लिए विद्युत विभाग द्वारा स्वीकृति नहीं दी जाती है। वर्ष 2013 में भारत सरकार के जल संसाधन मंत्रालय को कुछ प्रस्ताव सहारनपुर से भेजे गए थे, जिससे इस समस्या का समाधान किया जाए, लेकिन अभी तक पर्याप्त धनराशि अवमुक्त नहीं की गयी है। जल स्तर को बढ़ाने के लिए कुछ तरीके और प्रयास हैं, जो मंत्रालय द्वारा किए जाने चाहिए। मौजूदा तालाबों की सफाई-खुदाई हो, नए जलाशयों का निर्माण हो, जो बड़े नाले हैं, उन पर चेक डैम बनाए जाएं और जल संचय को लेकर नए प्रयास किए जाएं। महोदया, मेरा आपके माध्यम से सरकार से, विशेष रूप से जल संसाधन मंत्रालय से निवेदन है कि वह सहारनुपर की इस समस्या का समाधान करने हेतु पर्याप्त राशि अवमुक्त करें और उसके अतिरिक्त जो नए प्रयास करने की आवश्यकता है, उन पर ध्यान देने का काम करें। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष :

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल,

श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत,

श्री सुधीर गुप्ता एवं

डॉ. मनोज राजोरिया को श्री राघव लखनपाल द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।